Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to make sites of religious importance in Prayagraj, Uttar Pradesh, presently under the control of Army, accessible for general public.

श्रीमती केशरी देवी पटेल (फूलपुर): महोदय, मेरा निर्वाचन क्षेत्र फूलपुर, प्रयागराज जनपद स्वाधीनता आन्दोलन में पूरे देश में अग्रणी भूमिका में रहा है। हमें यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं है कि केवल देश में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में प्रयागराज जनपद विविधता, योग्यता, अध्यात्म और भारतीय संस्कृति तथा राजनीतिक एवं सामाजिकता का एक संगम रहा है।

मान्यवर, मेरा इस सदन में आपके माध्यम से निवेदन है कि गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन तट को और उसी से जुड़े हुए सेना क्षेत्र के किले में एक वट वृक्ष है, जिसे अक्षयवट के नाम से जाना जाता है, जो हमारी भारतीय विरासत का एक उत्कृष्ट और अद्भुत प्रमाण है, वह सेना के आधिपत्य में किले के अंदर है। मैं आदरणीय मोदी जी को बहुत बहुत साधुवाद, आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ, जिन्होंने उपरोक्त अक्षयवट वृक्ष, जिस पर पूरे देशवासियों की श्रद्धा है, को स्वयं आकर आम जनमानस के दर्शन हेतु सुलभ कराया है।

हम संक्षेप में निवेदन करना चाहते हैं कि हम जिस वृक्ष की बात कर रहे हैं, वह अक्षयवट ऐसी सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत है, जो पूरी दुनिया में जनपद प्रयागराज को एक बहुत बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है। हज़ारों एकड़ जमीन एवं एक किला जो संगम तट पर है और सैन्य भूमि के रूप में है, हर वर्ष वहां जनवरी-फरवरी माह में पूरी मानवता का भव्य समागम होता है। प्रतिवर्ष होने वाले माघ मेला, 6 वर्ष पर होने वाले अर्धकुम्भ एवं 12 वर्ष पर होने वाले महाकुम्भ में करोड़ों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु और अन्य पर्यटक यहाँ आते हैं। इस स्थान को सेना के नियंत्रण से हटाकर धार्मिक गतिविधियों एवं पर्यटन स्थल के रूप में इसका भू-उपयोग करने की कृपा करें । गंगा, यमुना, सरस्वती के संगम स्थल को विश्व धरोहण स्थल के रूप में संरक्षित कराने के लिए भी मेरा अनुरोध है।

किले को आगरा के किले की तरह सेना के आधिपत्य से हटाकर आम जनता को सुलभ करा दिया जाए, ताकि उस क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।